



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

15 आश्विन 1938 (श०)
(सं० पटना 857) पटना, शुक्रवार, 7 अक्टूबर 2016

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

22 सितम्बर 2016

सं० 22 नि० सि० (दर०)-16-11/2009/2116—श्री गणेश लाल बसाक, तत्कालीन मुख्य अभियन्ता, जल संसाधन विभाग, दरभंगा द्वारा अवमानना वाद सं० 3276/2007 गौरी शंकर यादव बनाम राज्य सरकार एवं अन्य में विभागीय अनुमोदन हेतु तथ्य कथन लम्बे अन्तराल के बावजूद भी नहीं उपलब्ध कराने के संबंध में विभागीय पत्रांक 418 दिनांक 10.03.10 द्वारा स्पष्टीकरण पूछा गया। श्री बसाक द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गई। सम्यक समीक्षोपरान्त श्री बसाक के विरुद्ध बिहार पेंशन नियमावली के नियम-43 (बी०) के तहत विभागीय कार्यवाही संचालित करने का निर्णय लिया गया। उक्त निर्णय के आलोक में विभागीय संकल्प सह पठित ज्ञापांक 988 दिनांक 09.08.11 के द्वारा श्री बसाक के विरुद्ध निम्न आरोपों के लिए विभागीय कार्यवाही संचालित किया गया।

आरोप—“अवमानना वाद सं० 3276/07 गौरी शंकर यादव बनाम राज्य सरकार एवं अन्य में विभागीय पत्रांक 231 दिनांक 27.02.09 एवं स्मार पत्र अर्द्ध सरकारी पत्र सं० 628 दिनांक 22.04.09, 753 दिनांक 21.05.09, 996 दिनांक 03.07.09, 1236 दिनांक 10.08.09, 1388 दिनांक 19.09.09 एवं 1543 दिनांक 08.09.09 द्वारा एवं कई बार दूरभाष पर मुख्यालय द्वारा स्मारित किये जाने के बावजूद आपके द्वारा रुचि नहीं ली गई एवं विभागीय अनुमोदन हेतु तथ्य कथन विभाग को उपलब्ध नहीं कराया गया तथा माननीय उच्च न्यायालय में लंबित अवमानना वाद की उपेक्षा की गयी। जिसके कारण विभाग को माननीय उच्च न्यायालय में अवमानना वाद कार्रवाई में काफी प्रतिकूल स्थिति का सामना करना पड़ा।

इस प्रकार आप आदेशोल्लंघन, अनुशासनहीनता, स्वेच्छाचारिता एवं कर्तव्य के प्रति लापरवाही के लिए प्रथम दृष्टया दोषी पाये गये हैं।”

विभागीय कार्यवाही में संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन में श्री बसाक के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप को प्रमाणित पाया गया। संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गई। सम्यक समीक्षोपरान्त श्री बसाक से प्रमाणित आरोप के लिए द्वितीय कारण पृच्छा करने का निर्णय लिया गया। फलतः विभागीय पत्रांक 1412 दिनांक 22.06.15 द्वारा श्री बसाक से द्वितीय कारण पृच्छा किया गया। श्री बसाक द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा के जवाब की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गई। श्री बसाक द्वारा कहा गया कि मुख्य अभियन्ता, जल संसाधन विभाग, दरभंगा का पत्रांक 869 दिनांक 23.03.10 को विभाग के स्तर पर पुनः समीक्षा करना चाहेंगे। जिससे स्थिति स्वतः स्पष्ट हो जायेगी। समीक्षा में पाया गया कि कार्यपालक अभियन्ता द्वारा माननीय उच्च न्यायालय के एस० सी०-2 से विचार विमर्श किया गया। इसके बाद भी श्री बसाक द्वारा आदेश की अवहेलना की

जाती रही एवं मनमाने ढंग से कार्य में अत्यधिक विलम्ब किया गया। विभाग द्वारा मुख्य अभियंता, दरभंगा को कई स्मार दिये गये। मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता एवं कार्यपालक अभियंता का कार्यालय एक ही शिविर में अवस्थित है, इसके बावजूद मुख्य अभियंता, दरभंगा द्वारा विभाग के स्मार पत्र को कार्यपालक अभियंता, पश्चिमी कोशी नहर प्रमण्डल, दरभंगा को पृष्ठांकित करने के अतिरिक्त तथ्य कथन तैयार करने हेतु कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया। विभागीय पत्रांक 996 दिनांक 03.07.09 जिसमें कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा गठित त्रिसदस्यीय समिति द्वारा श्री गौरी शंकर यादव के दावा को अस्वीकृत किये जाने का उल्लेख था, द्वारा तथ्यात्मक विवरणी तुरंत विभागीय अनुमोदन हेतु भेजने का निर्देश दिया गया था। परन्तु श्री बसाक द्वारा ऐसा नहीं किया गया। फलतः श्री बसाक के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप को प्रमाणित पाते हुए श्री बसाक के विरुद्ध “5 (पाँच) प्रतिशत पेंशन से कटौती एक वर्ष के लिए” का दण्ड अधिरोपित करने का निर्णय लिया गया। उक्त दण्ड प्रस्ताव में बिहार लोक सेवा आयोग का परामर्श प्राप्त है।

सरकार के उक्त निर्णय के आलोक में श्री गणेश लाल बसाक, तत्कालीन मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, दरभंगा को निम्न दण्ड दिया एवं संसूचित किया जाता है:-

“5 (पाँच) प्रतिशत पेंशन से कटौती एक वर्ष के लिए”।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
जीउत सिंह,
सरकार के उप-सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 857-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>